जगह-जगह हुआ ऐतिहासिक स्वागतम, कल होगा राम विवाह और मंथरा-कैकयी संवाद

भव्यता, भक्ति और उल्लास के संग निकली गढ़ा रामलीला की राम बारात



जबलपुर। श्री रामलीला समिति गढ़ा द्वारा आयोजित रामलीला महोत्सव के अंतर्गत भगवान श्रीराम की भव्य बारात सिद्ध मंच से धूमधाम से निकाली गई। 21 कलशों, अश्वारोही दल, दुलदुल घोड़ी नृत्य, धमाल, शहनाई, ढोल-नगाड़ों, विशाल बैंड की मधुर धुनों और आतिशबाजी के बीच निकली राम बारात ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया। मार्ग में जगह-जगह भगवान श्रीराम की बारात के स्वागत, पूजन-अर्चन और दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। राम बारात आनंदकुंज, छोटी बजरिया, मेजर बीटी तिराहे के सामने से गुलौआ, गौतमगंज, संजीवनी नगर, शाही नाका, पंडा की मढ़िया, कोष्टा मोहल्ला और गढ़ा बाजार होते हुए रामलीला मैदान पहुंचकर संपन्न हुई। बारात में ब्रह्मा, विष्णु, महेश, गणेश सहित अनेक देवी-देवताओं की आकर्षक झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। रथ पर विराजमान भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के दिव्य स्वरूप ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

गोविंदगंज रामलीला : राजा बनते-बनते वनवासी हो गए राम

राम वन गमन का भावुक चित्रण



जबलपुर। राजकाज सकल संभारिहें भरत बंधु-असुर संहारिवे को मैं तो वन जाऊंगो, करिके सहाय दुखी-दीनन की फेरि आय-मातु तेरे पायन पे शीष को झुंकाउंगो.. ये कहते हुए श्रीराम ने जैसे ही माता कैकेई से वन जाने की आज्ञा मांगी, श्रोता द्रवित हो गए। वनगमन की करुणामयी मानस लीला का प्रसंग गोविंदगंज रामलीला के पात्रों ने सजीव कर दिया। रामलीला में आज कैकेई-मंथरा, दशरथ-सुमंत, राम-लक्ष्मण-जानकी आदि के संवादों की असीमित उच्चता देखी गई। एक-एक भाव और एक-एक संवाद साहित्य-लालित्य से परिपूर्ण था। आज दशरथ के रूप में अतुल पांडे, कैकेई के रूप में दीपक पांडे, मंथराके रूप में मयंक पाठक,,राम के रूप में ओम दुबे, लक्ष्मण के रूप में मानस पाठक, गुरुवर के रूप में सीताराम शास्त्री, सुमंत के रूप में प्रवीण तिवारीआदि ने अपने संवाद से समां बांध दिया। अध्यक्ष अनिल तिवारी ने बताया कि आज रामलीला में एक और मार्मिक प्रसंग केवट प्रसंग की मानस लीला होगी। श्री तिवारी ने श्रद्धालुओ से दर्शन लाभ लेने की अपील की है।

जनकपुरी जैसा भव्य स्वागत, श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर किया अभिनंदन

राम बारात का स्वागत संकट मोचन मंदिर समिति गुलौआ, श्री भोलाराम खत्री, पंचमठा मंदिर समिति के पुजारी महंत श्री कामतादास शर्मा एवं उनकी टीम, पार्षद श्रीमती पूजा श्रीराम पटेल, लोधी मोहल्ला दुर्गोत्सव समिति, वंदेमातरम दुर्गोत्सव समिति फूलसागर तथा जनता होटल के संचालक नीरज दुबे सहित अन्य श्रद्धालुओं द्वारा किया गया। विभिन्न स्थानों पर जनकपुरी सजाकर बारात का स्वागत किया गया। स्वागत की भव्यता ने राजा जनक द्वारा भगवान श्रीराम एवं उनके बरातियों के स्वागत की पौराणिक स्मृति को जीवंत कर दिया। मार्ग में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और जय श्रीराम के जयघोष से वातावरण गुंजायमान रहा। इस अवसर पर समिति के संचालक श्री अशोक मनोध्याय, सम्माननीय मंत्री जी के अनुज श्री लेखराज सिंह 'मुन्ना भैया', प्रणय गुप्ता, पार्षद श्रीमती प्रिया संजय तिवारी, केदारनाथ शर्मा, अध्यक्ष एवं निर्देशक राजेश मिश्रा, महामंत्री एडवोकेट अरुण दीक्षित, राकेश पाठक, लोकराम कोरी, रमाशंकर कटारे, राजेंद्र प्यासी, उमाशंकर मिश्रा, हरीश मनोध्याय, नीलेश चौबे, विजय नेमा, प्रमोद तिवारी, भूपेंद्र उपाध्याय, संजय तिवारी (चेरीताल), गनपत कोष्टा, राजेश नेमा, राजेश परोहा, कैलाश नेमा, अशोक बघेल, पंकज अवस्थी, देवेंद्र मनोध्याय, लोकमन पटेल, मदन गोपाल पटेल, नीरज दुबे, मोती शिवहरे, भोलाराम खत्री, विद्या केवट, आनंद मिश्रा, दीपक कोष्टा, पंचम सोनी, जितेंद्र सोनी, श्रीराम पटेल, हनुमत सिंह रघुवंशी, दिनेश मिश्रा, पात्र प्रतिनिधि राजा पांडे, व्यास माधव दुबे, नितिन पटेल, राकेश मिश्र, श्याम मिश्रा, मुकेश मिश्रा, नरेश मिश्रा, प्रदीप गोस्वामी, सहित समिति के पदाधिकारी, स्थायी एवं आजीवन सदस्य उपस्थित रहे।

12 अक्टूबर को होगा श्रीराम विवाह और राम कलेवा का मंचन

श्री रामलीला समिति गढ़ा के तत्वावधान में सोमवार, 12 अक्टूबर 2026 को श्रीराम विवाह, राम कलेवा एवं मंथरा-कैकई संवाद की रोचक लीला का मंचन किया जाएगा। समिति ने समस्त धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर भगवान श्रीराम की दिव्य लीलाओं का पुण्य लाभ लेने की अपील की है।

38वीं अखिल भारतीय रेलवे शतरंज प्रतियोगिता का समापन, पूर्व रेलवे बना चैंपियन

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे में आयोजित 38वीं अखिल भारतीय रेलवे शतरंज प्रतियोगिता 2026-27 का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह रेलवे स्टेडियम, जबलपुर में गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री दिलीप कुमार सिंह ने टीम स्पर्धा में विजेता पूर्व रेलवे को ट्रॉफी प्रदान की तथा पूर्व रेलवे, उपविजेता दक्षिण पूर्व रेलवे एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली दक्षिण रेलवे की टीमों को पदक एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। व्यक्तिगत स्पर्धा में ग्रैंडमास्टर दास सयंतन ने 6 अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि इंटरनेशनल मास्टर उत्सव चटर्जी एवं ग्रैंडमास्टर विशाख एन. आर. ने 5½ अंक हासिल किए। समारोह को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक ने सभी विजेताओं एवं प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि भारत की प्राचीन चतुरंग परंपरा से विकसित शतरंज केवल चालों का खेल नहीं है, बल्कि यह धैर्य, दूरदर्शिता, अनुशासन, साहस और विषम परिस्थितियों में सही समय पर सटीक निर्णय लेने की कला सिखाता है। ये गुण रेलवे के कार्यक्षेत्र में भी सफलता एवं उत्कृष्टता के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने भारतीय रेल द्वारा खेलों को प्रोत्साहित करने तथा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान करने के प्रयासों की सराहना की। साथ ही, पश्चिम मध्य रेलवे के खिलाड़ियों को भविष्य में शतरंज प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर भारतीय रेल एवं देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। व्यक्तिगत स्पर्धा के विजेताओं ने पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा प्रतियोगिता के उत्कृष्ट आयोजन तथा खिलाड़ियों के लिए की गई आवास, भोजन, परिवहन एवं अन्य व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने आयोजन की सुव्यवस्थित व्यवस्था की प्रशंसा करते हुए इच्छा व्यक्त की कि आगामी शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन पुनः पश्चिम मध्य रेलवे में किया जाए।

मेजबान मध्यप्रदेश ने जीता प्रथम स्थान, महाराष्ट्र द्वितीय और छत्तीसगढ़ तृतीय स्थान पर रहा

महापौर कप 10वीं राष्ट्रीय फ्लाइंग किक स्पोर्ट्स प्रतियोगिता–2026 का भव्य समापन



जबलपुर। रानीताल खेल परिसर स्थित खेल एवं युवा कल्याण विभाग के बैडमिंटन इंडोर हॉल में आयोजित महापौर कप 10वीं राष्ट्रीय फ्लाइंग किक स्पोर्ट्स प्रतियोगिता–2026 का रविवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप मे अभिलाष पांडे विधायक ,लखन घनघोरिया विधायक ,अमरीश मिश्रा नेता प्रतिपक्ष ,अजय शुक्ला प्रांत अध्यक्ष क्रीड़ा भारती ,आयोजक अध्यक्ष सत्येन्द्र ज्योतिषी उपाध्यक्ष मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ जबलपुर ,आयोजक उपाध्यक्ष विवेकरंजन शुक्ला, प्रमुख श्वेता सिंह महिला प्रमुख क्रीड़ा भारती ,फ्लाइंग किक स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया राष्ट्रीय महासचिव श्री नीरज कुमार, असीम त्रिवेदी रुपेश पटेल,वरुण दुबे ,अतुल द्विवेदी , गुड्डू नवी मंचासीन रहे । मंचासीन अतिथियो का स्वागत राजकुमार यादव महासचिव फ्लाइंग किक स्पोर्ट्स एसोसिएशन मध्यप्रदेश ,आयोजक सचिव एडवोकेट जयराज चौधरी ने फूल मालाएं पहनाकर किया । दो दिवसीय इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी खेल प्रतिभा, फुर्ती, संतुलन एवं मार्शल आर्ट कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में मेजबान मध्यप्रदेश ने प्रथम स्थान प्राप्त कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। महाराष्ट्र द्वितीय, छत्तीसगढ़ तृतीय, हरियाणा चतुर्थ तथा दिल्ली पांचवें स्थान पर रही।

प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश सहित दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, पुडुचेरी एवं तेलंगाना के खिलाड़ियों ने सहभागिता की। लगभग 250 खिलाड़ियों की उपस्थिति ने आयोजन को राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान दिलाई।प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने विभिन्न मुकाबलों में अपनी गति, तकनीक, शारीरिक क्षमता और आत्मविश्वास का परिचय दिया। मुकाबलों में खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने दर्शकों का उत्साह बढ़ाया। इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना तथा खेलों के माध्यम से अनुशासन, आत्मरक्षा, शारीरिक फिटनेस और आत्मविश्वास को बढ़ावा देना रहा। समापन अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों मंचासीन अतिथियों ने पदक पहनाकर एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया । वही आयोजन को सफल बनाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले निर्णायक मण्डल की भूमिका निभा रहे रेफरियो एवं भारत से आए हुए कोच को स्मृति चिंह भेट कर सम्मानित किया । आयोजन समिति ने प्रतियोगिता में शामिल सभी राज्यों के खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, तकनीकी अधिकारियों, निर्णायकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

नरेन्द्र त्रिपाठी ब्राह्मण समाज सिहोरा के निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित



सिहोरा। समाज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष,शिक्षक नरेन्द्र त्रिपाठी ब्राह्मण समाज सिहोरा के निर्विरोध नवीन अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किए गए हैं। रविवार को दोपहर 12 बजे ब्राह्मण समाज सिहोरा के नवीन अध्यक्ष के निर्वाचन हेतु अधिवक्ता राज किशोर तिवारी निर्वाचन अधिकारी एंव अनिरुद्ध त्रिवेदी सहायक निर्वाचन अधिकारी ने शुक्ल जी की बखरी के पास स्थित पंडित विशुद्धानंद पांडे भवन में प्रक्रिया प्रारंभ की जिसमें सबसे पहले मतदाता सूची का प्रकाशन हुआ दावे आपत्ति के बाद अध्यक्ष पद हेतु नरेन्द्र त्रिपाठी के द्वारा नामांकन जमा किया चूंकि निर्धारित समय सीमा में किसी दुसरे प्रत्याशी ने नामांकन जमा नहीं किया था तो नाम निर्देशन पत्र की जांच के बाद निर्वाचन अधिकारी ने नरेन्द्र त्रिपाठी को ब्राह्मण समाज सिहोरा का निर्विरोध नवीन अध्यक्ष निर्वाचित घोषित कर दिया। त्रिपाठी के नाम का प्रस्ताव निवर्तमान अध्यक्ष संरक्षक राकेश पाठक ने किया था एंव समर्थन महामंत्री प्रवीण ने किया था। इस अवसर पर संरक्षक नंदकिशोर परौहा,अश्वनी कुमार पाठक,अशोक तिवारी,दिनेश गौतम,रवि दुबे,नारायण तिवारी,अरविंद उपाध्याय,सुनील तिवारी,गोपाल पाठक,माधव मिश्रा,प्रकाश दुबे,मुन्ना लाल गौतम,राजेश मिश्रा,प्रदीप कुमार प्यासी,सुरेन्द्र तिवारी,राज कुमार तिवारी, सुनील कुमार बडगैया अधिवक्ता,अश्वनी त्रिपाठी,नरेन्द्र खम्परिया,मानस तिवारी,अशोक उपाध्याय,अनिल कुररिया,राजेन्द्र गर्ग,सुधीर कुमार अवस्थी सहित अनेक अजीवन एंव साधारण सदस्य उपस्थित थे।

पचेलगढ़ रियासत के वंशज का किया गया सम्मान

सिहोरा। गोंडवाना साम्राज्य की पचेलगढ़ रियासत के वंशज कुंवर नीलेश प्रताप सिंह मरावी का गोंड समाज महासभा सिहोरा के द्वारा उनकी कुल देवी चंडी माई ग्राम खलरी में श्रीफल एवं फूल माला से सम्मान किया गया। विदित हो यह सम्मान उनके द्वारा किए गए निरंतर सामाजिक कार्यों तथा समाज के प्रति निष्ठा एवं समर्पण देखते हुए किया गया। उन्होंने कहा गया कि गोंडवाना साम्राज्य का 1740 वर्षों का गौरवशाली राजशाही शासन रहा है और गोंड आदिवासी समाज का इस देश और मातृभूमि के लिए अतुलनीय योगदान रहा है। वे समाज को एक सूत्र में पिरोने का काम करेंगे तथा गोंडवाना साम्राज्य की विरासतों के संरक्षण संवर्धन को लेकर भी कार्य करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने आदिवासी समाज के संवेदनशील बिंदुओं जैसे शिक्षा,स्वास्थ,रोजगार,धर्मांतरण,विस्थापन आदि विषयों पर जोर देकर आदिवासी समाज को नई दिशा देने की बात कहीं। कार्यक्रम में गोंड समाज महासभा सिहोरा के पदाधिकारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

अग्रसेन जयंती पर चलित प्रसादम सेवा के द्वारा भोजन वितरण किया

जबलपुर। जबलपुर अग्रवाल सेवा समिति के सानिध्य में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी चलित प्रसादम सेवा के द्वारा अग्रसेन जयंती के अवसर पर अग्रवाल धर्मशाला छोटे महावीर कोतवाली बाजार में महाराजाधिराज अग्रसेन भगवान की पूजन अर्चन अभिषेक हवन महाआरती के पश्चात चलते हुए राहगीरों के लिए भोजन वितरण किया गया। चलित प्रसादम सेवा के व्यवस्थापक डॉ सुधीर अग्गवाल ने बताया 4 अप्रैल 2011 से प्रतिदिन चल रही भोजन व्यवस्था में अभी तक 5617 दिन पूरे हुए जिसमें 21 लाख 6375 लोगों ने भोजन पाया है करोना में भी यह व्यवस्था चालू थी एवं राम जी की प्राण प्रतिष्ठा के समय अयोध्या में जाकर 1लाख15 हजार लोगों को 10 दिन में वितरित किया था। इस अवसर पर अग्रवाल सभा अध्यक्ष राजेश अग्रवाल गुड्डू जमुना प्रसाद अग्रवाल एडवोकेट ट्रस्ट के अध्यक्ष शरद अग्रवाल अग्रवाल सेवा समिति के अध्यक्ष निखिल अग्रवाल सुनील अग्रवाल कैलाश बब्बा जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन यतीश अग्रवाल करोड़ी लाल अग्रवाल मुकेश अग्रवाल अरुण अग्रवाल संजय अग्रवाल रुपेश अग्रवाल के के अग्रवाल बृजेश अग्रवाल धीरज अग्रवाल सीताराम निक्की गोविंदा उपस्थिति थे।



विकल्प रंजन शुक्ला का निधन



जबलपुर। जबलपुर निवासी भारतीय सूचना सेवा (**IIS**) के वरिष्ठ अधिकारी और आकाशवाणी रायपुर के समाचार संपादक विकल्प रंजन शुक्ल का शनिवार को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित नारायणी अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से असामयिक निधन हो गया. वे लंबे समय से इलेक्ट्रॉनिक और सरकारी मीडिया में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे. उनके अचानक चले जाने से रायपुर के पूरे मीडिया और साहित्यिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई. विकल्प रंजन शुक्ल ने अपने करियर में पत्रकारिता और जनसंचार के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया. उन्होंने दूरदर्शन और आकाशवाणी में समाचार संपादक के रूप में दीर्घकालिक सेवाएं दीं. इसके अलावा वे भारत सरकार की नोडल एजेंसी 'प्रेस इंफोर्मेशन ब्यूरो' (**PIB**) में भी अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं दे चुके थे. अंतिम संस्कार रविवार को रायपुर में किया गया।

टारगेट टीम ने किया 108 शिक्षकों का सम्मान



मझौली। समाजसेवी संस्था टारगेट युवा शक्ति वेलफेयर सोसायटी मझौली द्वारा नशा मुक्ति और युवा जागृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शिक्षक संगोष्ठी कार्यक्रम के अंतर्गत 108 शिक्षकों का अंगवस्त्र,श्रीफल,कलम और स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मान किया गया।टारगेट टीम के अध्यक्ष आशीष तिवारी ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यह है कि समाज में नशा नव युवकों को गलत राह की ओर ले जा रहा है और शिक्षक ही वह कड़ी है जो इस नशा मुक्ति कार्य में सबसे बड़े सहायक हो सकते है।मंच में विराजमान कार्यक्रम के अध्यक्ष नगर मझौली के वरिष्ठ समाजसेवी संजय सराफ,कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शिप्रा चौरसिया,कार्यक्रम के संयोजक प्रतापभानु साहू, विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी गिरीश पालीवाल,नशा मुक्ति जन जागरण के संयोजक अमित राजपूत,मार्गदर्शक शिक्षक पुरुषोत्तम लाल पांडे रहे। नगर मझौली से प्रतिष्ठित एडवोकेट अंचल साहू,अतुल तिवारी,नवनीत राय,टारगेट टीम के सचिव विवेक यश कोष्टा,साक्षी गुंजन तिवारी,अनुराग पिसती दुबे,उमाकांत कोष्टा,अर्पित दुबे,सचिन चौधरी,आयुष श्रीवास्तव,देवेंद्र पटेल,शेखर कोष्टा, कार्तिक साहू,आदिदेव तिवारी,अभ्युदय तिवारी सहित सभी उपस्थित रहे। नशा मुक्ति जन जागरण के अमित राजपूत ने शिक्षक किस प्रकार नशा मुक्ति के कार्य को सफल बना सकते हैं विस्तार पूर्वक समझाया।

पितृ मोक्ष अमावस्या पर शारदा मंदिर बरेला में किया वृक्षारोपण



बरेला। पितृ पक्ष के पावन अवसर पर पितरों की स्मृतियों को यादगार बनाने के लिए शारदा मंदिर बरेला में मन्दिर व्यवस्थापक पंडित आशीष शुक्ला, अभय शुक्ला के मार्गदर्शन में वृक्षारोपण किया गया । इस अवसर पर बरेला तहसीलदार सुधीर मिश्रा, संदीपनी विद्यालय के प्राचार्य डॉ, डीके गुप्ता, पटवारी रोहित पटेल, अमन चौरसिया, सन्तोष राय सहित स्थानीय नागरिको की उपस्थित रही।

ब्राम्हण युवक-युवती परिचय सम्मेलन हेतु बैठक सम्पन्न

बरेला। ब्राम्हण स्वंयवर संस्कार महासभा जबलपुर के तत्वाधान में परशुराम धाम बरेला में, परिक्षेत्र के विप्र बन्धुओं की बैठक युवक-युवती परिचय सम्मेलन हेतु सम्पन्न हुई, जिसमें दर्जनों गाँवो के विप्र बधु उपस्थित हुये बैठक संयोजक महेश मानव ने जानकारी देते हुये बताया कि इस अवसर पर स्वंयवर संस्कार महासभा के संस्थापक वीरेन्द्र तिवारी, अध्यक्ष-मुन्ना लाल दुबे, महामंत्री-दिलीप दुबे, प्रांतीय महामंत्री - विनय मोहन मिश्रा, मंत्री-सी.एन. शुक्ला, परिक्षेत्र अध्यक्ष अरविंद तिवारी दिलीप पचौरी (गौर) ने अपने सम्बोधन में बताया, कि 22 नवम्बर 2026 को मानस भवन जबलपुर में ब्राम्हण युवक-युवती सम्मेलन आयोजित किया जायेगा साथ ही वैवाहिक पत्रिका 'नव जीवन' का विमोचन किया जायेगा । इस अवसर पर हरगोविंद दुबे, अरूणव दुबे (पड़वार), लक्ष्मण प्रसाद तिवारी (धनपुरी) अखिलेश नवेरिया (जमुनियाँ), दयाशंकर उपाध्याय, रमेश्वर उपा., विनम्र उपा. आनंद शुक्ला (कुड़ारी उमरिया), विजय दुबे (मलारा), पंकज पाठक हिनौतिया (भोई) ब्रजेश दुबे (महगवां देवरी) रनजीत चौबे, नीरज पाठक (खमरिया), सरपंच आलोक दुबे (महगवां), मिथलेश तिवारी (चौखड़ा), नीरज गर्ग (नीमखेड़ा), मिथलेश तिवारी (कोसमघाट), उमाशंकर उपाध्याय, राजेश उपा.(शारदा नगर) के साथ बरेला नगर अध्यक्ष-योगेश दुबे युवा अध्यक्ष-ज्ञानू प्यासी, नंदकिशोर उपाध्याय, गोविंद दुबे, पार्षद-श्रीकांत उपाध्याय,माधव शर्मा सी.एम. शर्मा, सुरेश तिवारी (मल्धा), रमेश तिवारी, रमेश उपाध्याय, धमेन्द्र दुबे, अरूण रावत आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। अंत में अभार प्रदर्शन नगर परिषद अध्यक्ष प्रतीक दुबे द्वारा किया गया।

वजन बढ़कर 1900 ग्राम हो गया

32वें सप्ताह में जन्मी बच्ची डिस्चार्ज



जबलपुर। मिलिट्री हॉस्पिटल जबलपुर में चिकित्सा विशेषज्ञता, समय पर उपचार और समर्पित टीमवर्क की बदौलत मात्र 1200 ग्राम वजन के साथ जन्मी एक समयपूर्व बच्ची को स्वस्थ एवं स्थिर अवस्था में अस्पताल से छुट्टी दी गई। गर्भावस्था के 32वें सप्ताह में जन्मी इस बच्ची का डिस्चार्ज के समय वजन बढ़कर 1900 ग्राम हो गया था। गर्भावस्था के दौरान गंभीर सर्वाइकल इनकम्पीटेंस तथा एम्नियोटिक सैक के बाहर की ओर उभरने जैसी जटिलताएं सामने आई थीं। इस चुनौतीपूर्ण स्थिति में स्त्री रोग विशेषज्ञ कर्नल बोर्से द्वारा समय पर सर्वाइकल सर्कलेज की प्रक्रिया की गई, जिससे गर्भावस्था को 32वें सप्ताह तक आगे बढ़ाने में मदद मिली।जन्म के बाद बच्ची को रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम (**RDS**), सेप्सिस, एप्निया तथा ग्रेड-**II** इंट्रावेंट्रिकुलर हैमरेज (**IVH**) जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ा। बाल रोग विशेषज्ञ लेफ्टिनेंट कर्नल प्रियंक अगस्त्य के मार्गदर्शन में नर्सिंग अधिकारियों की समर्पित टीम ने नवजात गहन चिकित्सा इकाई (**NICU**) में लगभग एक माह तक बच्ची की विशेष देखभाल की। इस दौरान उसे निरंतर चिकित्सकीय निगरानी, आवश्यक उपचार और समुचित नर्सिंग सेवाएं प्रदान की गईं।मिलिट्री हॉस्पिटल जबलपुर के कमांडेंट ब्रिगेडियर अनिमेष वत्स ने भी व्यापक चिकित्सा देखभाल के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं और सहयोग सुनिश्चित किया। लगभग 1200 ग्राम वजन के साथ जीवन की शुरुआत करने वाली बच्ची का 1900 ग्राम वजन के साथ स्वस्थ एवं स्थिर स्थिति में अस्पताल से घर लौटना चिकित्सकों, नर्सिंग अधिकारियों और पूरी चिकित्सा टीम के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। यह उपलब्धि समय पर चिकित्सकीय हस्तक्षेप, विशेषज्ञ उपचार, समर्पित नर्सिंग सेवाओं और समन्वित टीमवर्क के महत्व को दर्शाती है। मिलिट्री हॉस्पिटल जबलपुर की यह सफलता नवजात शिशुओं को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता का उल्लेखनीय उदाहरण है।

हरिनाम संकीर्तन की मधुर धुनों पर झूमे भक्तजन, जयघोष से गूंजे मार्ग

जबलपुर। सार्वजनिक श्री दुर्गा हनुमान मंदिर समिति सरस्वती कॉलोनी,चेरीताल के संयोजकत्व में प्रतिपदा की शुभ तिथि शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिवस बैठकी की प्रातःबेला में,श्री चैतन्य महाप्रभु,राधा नाम संकीर्तन मंडल,सनातनी ग्रुप,मानस संकीर्तन मण्डल,नर्मदा सेवा मिशन,नर्मदा जनजागरण चेतना मण्डल मण्डल,दुर्गा मंदिर महिला भजन मंडली,नर्मदा परिक्रमा समिति आदि अनेक मण्डलों की सहभागिता से पं.वासुदेव शास्त्री, पं.मनमोहन दुबे,पं. देवेंद्र त्रिपाठी, संतोष अग्रहरि के सानिध्य एवं अध्यक्ष देवेंद्र नेमा के मार्गदर्शन में श्री दुर्गा मंदिर प्रांगण से विशाल संकीर्तन यात्रा, प्रभात फेरी निकाली गयी।जो पारिजात बिल्डिंग, सरस्वती उद्यान,शिवनगर, पंजाब बैंक कॉलोनी, श्री राम मंदिर,नरेश भवन चेरीताल आदि मार्गों से होते हुये पुनःमंदिर प्रांगण पहुँची एवं मातारानी,हनुमान जी की मंगल महाआरती व महाप्रसाद वितरण उपरांत संकीर्तन यात्रा का समापन हुआ। जय मातादी जयघोष के साथ लगभग 2 कि.मी.लम्बी संकीर्तन यात्रा पूर्ण सुव्यवस्थित और अनुशासित थी। इस अवसर पर अध्यक्ष देवेंद्र नेमा, राजेश शर्मा, नरेंद्र साहू, देवव्रत सोनी, मोहित तिवारी, सुरेन्द्र गिरी, के एल दीक्षित, सत्यप्रकाश नामदेव, अमित विश्नोई, पप्पू चौबे, मंगलसिंह पटेल, पवन साहू, नवीन नेमा, अंकित बहरे आदि बड़ी संख्या में मातृ शक्ति भक्तजन उपस्थित रहे।

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में लघु फिल्म 'ए डे इन द लैंड ऑफ टाइगर्स' की गई रिलीज

वन और वन्य जीव केवल प्राकृतिक संपदा ही नहीं, अमूल्य विरासत भी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वन्य प्राणी सप्ताह के समापन अवसर पर वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व, मोहली में वन और वन्य प्राणी संरक्षण के लिये वन कर्मियों के समर्पण को प्रदर्शित करती लघु फिल्म 'ए डे इन द लैंड ऑफ टाइगर्स' को रिलीज किया।

बांधवगढ़ के घने वन, बाघों की स्वच्छंद गतिविधियां और अनूठा प्राकृतिक सौंदर्य पर्यटकों को आकर्षित करते हैं, लेकिन प्रकृति की इस संपदा को सुरक्षित रखने के लिए जो वनकर्मी कठिन परिस्थितियों में दिन-रात काम करते हैं, उनकी कहानियां अक्सर अनकही रह जाती हैं। इन्हीं पहलुओं को लघु फिल्म 'ए डे इन द लैंड ऑफ टाइगर्स' में दर्शाया गया है। समारोह में फिल्म का एक अंश भी प्रदर्शित किया गया।

फिल्म में है बाघों की दुनिया के लिए वनकर्मियों के समर्पण की कहानी



समाज की भागीदारी और जागरुकता आवश्यक : सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने फिल्म की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास वन्य जीव संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि वन और वन्य जीव केवल प्राकृतिक संपदा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य विरासत हैं। इनके संरक्षण के लिए समाज की भागीदारी और जागरूकता आवश्यक है। नियमित गश्त, संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा, वन्य जीवों के स्वास्थ्य की देखभाल और मानव-वन्य जीव संघर्ष की आशंकाओं पर नजर रखना भी इसकी अहम जिम्मेदारियां हैं।

वन्य जीव संरक्षण में जुटे वन अमले की भूमिका

फिल्म वनों के इसी पक्ष से दर्शकों को परिचित कराएगी, जिसे सामान्य पर्यटक अक्सर नहीं देख पाते। लगभग 13 मिनट 13 सेकंड की यह फिल्म बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के प्राकृतिक सौंदर्य, गौरवशाली इतिहास, समृद्ध जैव विविधता और बाघों के जीवन के साथ वन्य जीव संरक्षण में जुटे वन अमले की भूमिका को दर्शाती है। बांधवगढ़ जैसे बाघ बहुल क्षेत्र में संरक्षण केवल वन्य जीवों की निगरानी तक सीमित नहीं है।

संरक्षण के प्रति जागरुकता बढ़ाने का प्रयास

'ए डे इन द लैंड ऑफ टाइगर्स' का निर्माण 'उड़न गिलहरी' कंपनी ने किया है। फिल्म निर्माण में ओजैर और अमन का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। फिल्म से बांधवगढ़ की खूबसूरती के साथ उन वनकर्मियों और मैदानी कार्यकर्ताओं के समर्पण को भी पहचान मिलेगी, जो कठिन परिस्थितियों में इस प्राकृतिक धरोहर की रक्षा कर रहे हैं।

228 अधिकारी-कर्मचारी संभाल रहे वन सुरक्षा की जिम्मेदारी

उमरिया जिला स्थित बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण और प्रबंधन के लिए 228 अधिकारी-कर्मचारी दिन-रात तैनात हैं। इनमें क्षेत्र संचालक, उप संचालक, 5 सहायक वन संरक्षक, एक वन्य प्राणी स्वास्थ्य अधिकारी, 10 वन क्षेत्रपाल, 11 उप वन क्षेत्रपाल, 31 वनपाल और 155 वनरक्षक सहित हाथी, महावत दल एवं वाहन चालक शामिल हैं। इनके साथ 101 स्थाईकर्मी, 37 टीपीएफ जवान और 583 ईडीसी श्रमिक भी वन सुरक्षा एवं संरक्षण कार्यों में योगदान दे रहे हैं। दुर्गम वन क्षेत्रों में गश्त, वन्यजीवों की निगरानी और आपात परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई कर यह अमला बांधवगढ़ की प्राकृतिक विरासत को सुरक्षित रखने में जुटा है। संरक्षण व्यवस्था के सुचारु संचालन में क्षेत्र संचालक कार्यालय की टीम भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यहां 32 कर्मचारी प्रशासनिक, वित्तीय, अभिलेखीय और तकनीकी कार्यों के माध्यम से मैदानी अमले को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराते हैं।

कॉलेज प्राध्यापकों एवं पुलिस अधिकारियों के लिए प्रशिक्षक कार्यक्रम का शुभारंभ

युवाओं को कानून, सुरक्षा और जिम्मेदार नागरिकता का पाठ पढ़ाएगी मप्र पुलिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

युवाओं को कानूनों, मौलिक अधिकारों, नागरिक कर्तव्यों, साइबर सुरक्षा, सड़क सुरक्षा तथा सामाजिक सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मप्र पुलिस की सामुदायिक पुलिसिंग शाखा एवं मप्र शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संयुक्त रूप से 'जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद' पहल प्रारंभ की जा रही है। इसके तहत कॉलेजों एवं विवि में विद्यार्थियों के लिए कार्यशालाओं, संवाद सत्रों के माध्यम से कानून एवं सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी जाएगी।

उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त प्रयासों की रूपरेखा प्रस्तुत

उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त प्रबल सिपाहा ने बताया कि युवाओं को कानून, सुरक्षा एवं नागरिक जिम्मेदारियों की व्यवस्थित जानकारी देने के उद्देश्य से आठ क्रेडिट कोर्स तैयार किए गए हैं। नवीन आपराधिक कानूनों तथा इस पहल के प्रभावी क्रियान्वयन में पुलिस एवं प्राध्यापकों की भूमिका पर विचार रखे।

अजाक्स-सपाक्स पर केस दर्ज कराएगा कर्मचारी परिसंघ

भोपाल। पदोन्नतियों के साथ खिलवाड़ करके कर्मचारी-अधिकारी के मौलिक अधिकारों का हनन करने वाले अजाक्स और सपाक्स संगठनों की मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से शिकायत कर शासकीय कर्मचारी परिसंघ मामला दर्ज कराएंगा। शासकीय कर्मचारी परिसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पाण्डेय, महासचिव राकेश प्रधान, प्रदेशाध्यक्ष ध्रुव सिंह सिकरवार ने बताया कि अधिकारियों एवं कर्मचारियों के हितैषी बनने वाले अजाक्स-सपाक्स संगठन पदोन्नतियों को रुकवा कर कोर्ट के कानूनी दांव-पेंचों में उलझाकर उनके मौलिक अधिकारों का हनन कर रहे है। जैसे ही कर्मचारियों और अधिकारियों की पदोन्नति का नंबर आता है। इन दोनों संगठनों के पदाधिकारी हाई कोर्ट जाकर कोर्ट केस का सहारा लेकर कानूनी दांव-पेच में पदोन्नतियों पर रोक लगवा देते है। अजाक्स-सपाक्स कर्मचारियों की पदोन्तियों को कोर्ट के माध्यम से रुकवा कर उनके मौलिक अधिकारों का हनन कर रहे हैं। इन दोनों संगठनों की अनीतिपूर्ण गतिविधियों के कारण ही प्रदेश में हजारों कर्मचारी अधिकारी बिना पदोन्नति ही सेवानिवृत हो गए। कर्मचारी परिसंघ उच्च न्यायालय में इनके विरुद्ध याचिका दर्ज करवा कर मानता रद्द करने की मांग करेंगे।

कर्मचारी हितैषी मुख्यमंत्री ने दी पदोन्नति की सौगातः पाण्डेय

सुशील पाण्डेय ने बताया कि कर्मचारी हितैषी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने वर्ष 2026 में सभी जाति वर्ग धर्म एवं अनारक्षित वर्ग के कर्मचारियों पदोन्नतियां प्रदान की गई है। किसी वर्ग को कोई भी शिकायत नहीं रही है। लेकिन आजाक्स-सपाक्स संगठन अपनी नेतागिरी चमकाने के लिए हाई कोर्ट पहुंच गए हैं। अब समय आ गया है कि कर्मचारियों को मूर्ख बनाकर किसी भी संगठन के पदाधिकारी अपनी नेतागिरी नहीं कर पाएंगे। शासकीय कर्मचारी परिसंघ के आरक्षित एवं अनारक्षित वर्ग के कर्मचारी सामूहिक रूप से हाई कोर्ट जबलपुर में अक्टूबर में जनहित याचिका लगाएंगे। साथ ही मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर दोनों संगठनों की मान्यता समाप्त करने की मांग की जाएगी।

34 देशों के 100 विदेशी टूर ऑपरेटर्स ने दिखाई गहरी रुचि, 7 नए देशों का हुआ विस्तार

दस वर्षों में 3,963 करोड़ का निवेश, 2027 तक 15 नए फाइव-स्टार होटल्स का विजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र में तीन दिन तक चले मप्र ट्रैवल मार्ट-2026 में 34 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 100 प्रमुख विदेशी टूर ऑपरेटर्स (एफटीओज) सक्रिय रूप से शामिल हुए। पिछले वर्ष जहां 27 देशों के 90 विदेशी प्रतिनिधि शामिल हुए थे, वहीं इस बार 7 नए देशों का विस्तार हुआ। अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया,और स्पेन सहित विभिन्न देशों से आए प्रतिनिधियों ने प्रदेश की समृद्ध जैव विविधता और स्मारकों का गहन अध्ययन किया, जिससे आने वाले पर्यटन सत्रों में विदेशी पर्यटकों की आमद में भारी बढ़ोतरी तय है।



मिंटो हॉल में ट्रेवल मार्ट में एक्जीबिशन में चर्चा करते निवेशक।

टूर ऑपरेटर हिस्सेदारी से अंतर-प्रादेशिक नेटवर्क सुदृढ़

राष्ट्रीय स्तर पर पर्यटकों के प्रवाह को गति देने के लिए देश के 15 राज्यों से 180 घरेलू टूर ऑपरेटर्स (डीटीओज) ने मार्ट में हिस्सा लिया। वर्ष 2025 के 150 घरेलू टूर ऑपरेटरों की तुलना में इस बार 20 प्रतिशत की ठोस वृद्धि देखी गई। देश के विभिन्न हिस्सों से आए इन प्रतिनिधियों ने मध्यप्रदेश के प्रमुख व उभरते पर्यटन केंद्रों को अपने यात्रा कार्यक्रमों में शामिल करने के लिए स्थानीय भागीदारों से अनुबंध किए, जिससे राज्य के लिए एक मजबूत अंतर-प्रादेशिक पर्यटन नेटवर्क स्थापित हुआ।

एक्जिबिशन में 177 स्टॉल्स की आधुनिक आतिथ्य और पारंपरिक हस्तशिल्प की दुनिया

ट्रैवल मार्ट में ट्रैवल और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र से जुड़े 177 भव्य स्टॉल्स लगाए गए। इन स्टॉल्स के माध्यम से प्रतिष्ठित होटलों, रिसॉर्ट्स, ट्रैवल एजेंसियों, साहसिक खेल अकादमियों, शिल्पकारों और उभरते हुए ग्रामीण होम स्टे को एक साझा व्यावसायिक मंच मिला। खरीदारों और सेवा प्रदाताओं के बीच संवाद का माध्यम बने पर्यटन उद्योग के संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को एक ही स्थान पर जीवंत कर दिया।

सीहोर के रामगढ़ में एआरएम फूड्स का 848.40 करोड़ का वृहद निवेश का एमओयू

निवेश संवर्धन के क्षेत्र में सबसे बड़ा मील का पत्थर सीहोर जिले के रामगढ़ में स्थापित होने वाली मेगा परियोजना रही, जिसके लिए ए.आर.एम. फूड्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से 848.40 करोड़ के निजी निवेश का एमओयू किया गया। कंपनी के चेयरमैन एवं निदेशक अतुल अग्रवाल के नेतृत्व में प्रस्तावित इस परियोजना में अंतरराष्ट्रीय स्तर का गोल्फ कोर्स, विला, वेलनेस रिसॉर्ट और लक्जरी होटल विकसित किया जाएगा। यह महत्वाकांक्षी उपक्रम क्षेत्र में 920 से अधिक कुशल व अकुशल युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करेगा।

पर्यटक प्रशिक्षण में बड़े निवेश की पहल

ओरछा की धरोहर संरक्षण के लिए एसपीए, नई दिल्ली और 'द्रोणह' की श्रीमती शिखा जैन के साथ एमओयू हुआ। निवेश प्रस्तावों में एटमॉस्फियर ग्रुप ने उज्जैन, इंदौर और वन्यजीव क्षेत्रों में 500 करोड़, रेनी ग्रुप ने मांडू की लुनेरा सराय को 130 करोड़ में 'वेलकम होटल बाय आईटीसी' के रूप में विकसित करने और खजुराहो के कुटनी डैम पर वॉटरफ्रंट रिसॉर्ट सहित 290 करोड़ से अधिक तथा सर्व ग्रुप ने मढ़ई में 'ताज सफारीज' के साथ 100 करोड़ के अल्ट्रा-लक्जरी रिसॉर्ट सहित कुल 300 करोड़ के निवेश प्रस्ताव रखे गए।

जान-माल के नुकसान का खतरा

कटघोरा वन मंडल के पसान में दिखाई दिया 52 हाथियों का दल



सांकेतिक फोटो।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

जिले के कटघोरा वन मंडल के पसान क्षेत्र में 52 हाथियों के दल की मौजूदगी से ग्रामीणों में भारी दहशत है। हाथियों का खौफ अब बच्चों की पढ़ाई से लेकर ग्रामीणों की रातों की नींद तक छीन रहा है। हाथी तेलियामार के आसपास विचरण कर रहे हैं, जिसमें एक दंतैल हाथी अलग घूम रहा है जो सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रहा है।

तेलियामार के दीपक मिशन स्कूल प्रबंधन ने बड़ा फैसला लिया है। सुरक्षा को देखते हुए हॉस्टल में रह रहे बच्चों को छुट्टी देकर घर भेज दिया गया है। तीन दिन पहले ही हाथियों के झुंड ने हॉस्टल में घुसकर दीवार तोड़ दी थी। साथ ही बगीचे को तहस-नहस करते हुए एक किसान के मकान को भी क्षतिग्रस्त कर दिया था। ग्रामीण अपने घर और खेत बचाने के लिए रातभर जागकर पहरा दे रहे हैं।

वन विभाग की टीम कर रही निगरानी

रविवार को हाथियों से सुरक्षा की मांग को लेकर ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने पसान थाने में बैठक कर गुहार लगाई है। पसान थाना प्रभारी ने प्रभावित क्षेत्र के लोगों को सतर्क रहने और हाथियों से दूरी बनाए रखने की समझाइश दी है। उन्होंने कहा है कि हाथियों के करीब न जाएं और बच्चों को अकेले न छोड़ें। वहीं वन विभाग की टीम लगातार हाथियों के झुंड पर नजर रखे हुए है। ग्रामीणों को हाथियों के पास जाने से रोका जा रहा है। वन विभाग का कहना है कि जो किसानों की फसल और मकान का नुकसान हुआ है, उसका सर्वे कर उचित मुआवजे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल ग्रामीणों की मांग है कि वन विभाग निगरानी बढ़ाए और समय पर सुरक्षा व सूचना की व्यवस्था करे। सवाल यही है कि आखिर कब तक 52 हाथियों के खौफ में ग्रामीण अपनी रातें जागकर गुजारते रहेंगे।

अस्थि विसर्जन में साथ में न ले जाने से नाराज था मासूम छात्र

पांचवीं कक्षा के छात्र ने फांसी लगाकर दी जान, पुलिस कर रही मामले की जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग।

जिले के भिलाई के कुरूद क्षेत्र में नवीन चौक के पास पांचवीं कक्षा के एक छात्र ने अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक बालक की पहचान मनीष देवांगन के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही जामुल थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि परिजन बालक को अपने रिश्तेदार के अस्थि विसर्जन कार्यक्रम में साथ नहीं ले गए थे, जिससे वह नाराज चल रहा था।

पुलिस की शुरुआती पूछताछ के अनुसार, कुछ दिन पहले परिवार में



मनीष के बड़े पिता का निधन हुआ था। परिवार के सदस्य अस्थि विसर्जन के लिए जा रहे थे और बालक ने भी साथ जाने की इच्छा जताई थी। उस समय परिजनों ने किसी वजह से मनीष को साथ ले जाने से मना कर दिया था। इसके बाद से ही बालक मानसिक रूप से परेशान था।

सभी पहलुओं पर पुलिस कर रही विवेचना

जामुल थाना पुलिस की टीम ने सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचकर आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस अधिकारी परिजनों और आसपास के लोगों से बातचीत कर छात्र के व्यवहार तथा परिस्थितियों को समझने का प्रयास कर रहे हैं। जांच अधिकारी यह भी पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं कि घटना से ठीक पहले छात्र के साथ क्या परिस्थितियां बनी थीं और क्या वह किसी अन्य बात को लेकर परेशान था। पुलिस का कहना है कि जांच प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद ही घटना के सटीक कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

कोरबा एसपी ऑफिस की स्टेनो शाखा में पदस्थ था आरक्षक

पत्थलगांव में पेड़ पर लटका मिला आरक्षक का शव, पुलिस महकमे में छाई शोक की लहर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा



फाइल फोटो।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय की स्टेनो शाखा में पदस्थ आरक्षक क्रमांक 640 नरहरि पटेल की लाश पत्थलगांव में पेड़ पर फांसी के फंदे से लटकी मिली है। घटना की सूचना पत्थलगांव थाना पुलिस ने कोरबा पुलिस को फोन कर दी है। खबर मिलते ही पुलिस महकमे में शोक की लहर दौड़ गई है।

बताया जा रहा है कि आरक्षक की लाश पेड़ पर सफेद रंग की चुन्नी के फंदे पर लटकी हुई मिली है। ग्रामीणों की नजर जब पेड़ पर लटकी लाश पर पड़ी तो उन्होंने तत्काल इसकी सूचना पत्थलगांव थाना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और पहचान कार्रवाई शुरू की। पहचान होने पर मृतक के परिजनों को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही परिजन कोरबा से घटनास्थल पत्थलगांव के लिए रवाना हो गए हैं। आरक्षक ने कब, कैसे और किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया, यह अभी समझ से परे है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आरक्षक कोरबा से पत्थलगांव क्यों, कब और कैसे गया, यह भी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है। मृतक आरक्षक 38 वर्षीय नरहरि पटेल पिता श्री गोवर्धन प्रसाद पटेल का है। वह 2013 बैच में पुलिस विभाग में भर्ती हुआ था। उसकी वर्तमान तैनाती सिविल लाइन रामपुर में 27 सितंबर 2023 से थी, लेकिन वह पुलिस अधीक्षक कार्यालय की स्टेनो शाखा में पदस्थ था।

पुलिस कर रही हर एंगल पर जांच

आरक्षक की मौत की सूचना मिलते ही पुलिस परिवार में शोक छा गया है। व्हाट्सएप ग्रुप में साथी पुलिसकर्मी उसे श्रद्धांजलि दे रहे हैं। साथी बताते हैं कि नरहरि बहुत ही सरल स्वभाव और सुलझा हुआ संतुलित बातें करने वाला पुलिसकर्मी था। वह सभी से मिलजुल कर रहता था। फिलहाल पत्थलगांव पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। परिजनों के घटनास्थल पर पहुंचने के बाद और पुलिस की वैधानिक कार्रवाई, पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद ही आरक्षक की मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा।

मध्यान्ह भोजन लागत राशि को लेकर महिलाओं का प्रदर्शन

आंबेडकर पार्क की बेरिकेडिंग तोड़कर सीएम हाउस कूच, लिंक रोड दो घंटे तक रहा बंद



स्वसहायता समूह की महिलाओं का विरोध-प्रदर्शन।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शनिवार को मध्यान्ह भोजन और सांझा चूल्हा योजना का चार महीने से मानदेय नहीं मिलने से नाराज स्व सहायता समूह की हजारों महिलाओं ने मुख्यमंत्री निवास की ओर कूच किया। इसके बाद वे केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बंगले के सामने घंटों बैठी रहीं। आंबेडकर पार्क से शुरु हुए प्रदर्शन के बाद महिलाओं ने सीएम हाउस की तरफ कूच किया। जिसके बाद वह लिंक रोड नंबर-1 स्थित केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बंगले के बाहर बैठ गईं, जिसकी वजह से लिंक रोड की दोनों तरफ दो घंटे तक जाम लगा रहा।

चार महीने बाद मिल रही सांझा चूल्हा की राशि

बघेल ने बताया कि सांझा चूल्हा योजना की राशि तीन से चार महीने की देरी से मिलती है। साथ ही योजना में रसोइया बहनों का मासिक मानदेय 500 रुपए से बढ़ाकर 3 हजार रुपए करने और इसे समूह की लागत राशि से नहीं काटने की मांग की गई है।

एमवीएम ग्राउंड में होगा आयोजन

200 से अधिक स्टॉल पर मिलेंगे स्वदेशी उत्पाद, सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे आकर्षण का केंद्र

राजधानी में 23 से सजेगा 12 दिवसीय विशाल स्वदेशी मेला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन देने, स्थानीय कारीगरों एवं उद्यमियों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने और समाज में स्वावलंबन की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से भोपाल में 23 अक्टूबर से 12 दिवसीय विशाल स्वदेशी मेले का आयोजन किया जाएगा।

स्वदेशी जागरण मंच एवं स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में यह मेला मिंटो हॉल के समीप एमवीएम ग्राउंड में आयोजित होगा। मेले में देशभर के स्वदेशी उत्पादों, भारतीय हस्तशिल्प, दैनिक उपयोग की वस्तुओं, स्थानीय उद्योगों और स्टार्टअप्स के 200 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे। स्वदेशी मेला



कार्यक्रम की जानकारी देते स्वदेशी जागरण मंच के पदाधिकारी सतीश विश्वकर्मा एवं सीमा भारद्वाज।

संयोजक सतीश विश्वकर्मा ने आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि मेले का उद्देश्य स्वदेशी उत्पादों को आमजन तक पहुंचाने के साथ स्थानीय कारीगरों, बुनकरों, शिल्पकारों तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और विक्रय के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराना है। स्वदेशी मेले में प्रतिदिन सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। स्कूली बच्चों के कार्यक्रमों के साथ युवाओं को स्वदेशी विचार से जोड़ने के लिए नाटक एवं नृत्य प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी।

आयोजन के लिए समिति गठित

मेले के सुचारु संचालन एवं विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए आयोजन समिति का गठन किया गया है। सतीश विश्वकर्मा को मेला संयोजक बनाया गया है, जबकि विजय सोनी, दीपक वर्मा एवं रमन तिवारी को सह-संयोजक का दायित्व सौंपा गया है। सीमा भारद्वाज एवं शोभराज सुखवानी को भी प्रमुख जिम्मेदारियां दी गई हैं। आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं के संचालन के लिए अलग-अलग कार्य समितियां भी गठित की गई हैं। प्रेसवार्ता में इस अवसर पर अखिल भारतीय सह मेला प्रमुख साकेत राठौर भी उपस्थित रहे।

खरीदारी भी स्वदेशी उद्यमियों का सम्मानः सीमा भारद्वाज

स्वदेशी जागरण मंच मध्यभारत प्रांत महिला कार्य प्रमुख एवं मेले के सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रतियोगिता संयोजक सीमा भारद्वाज ने कहा कि इस मेले का उद्देश्य छोटे से बड़े उद्यमियों को एक मंच देना है। कोशिश है कि दीपक, बाती, हस्तनिर्मित वस्तुएं और स्थानीय उत्पाद बनाने वाले छोटे उद्यमियों के घर भी इस दीपावली समृद्धि और खुशहाली आए। मेले में पंच परिवर्तन, संस्कृति और महापुरुषों पर प्रतियोगिताएं होंगी। विजेताओं को खरीदे गए स्वदेशी उत्पाद उपहार में दिए जाएंगे। शाम 6 से रात 10 बजे तक विद्यालयों, संस्थाओं और विभिन्न भाषाई समुदायों द्वारा लोकनृत्य, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ एवं भारतीय जीवन दर्शन पर आधारित कार्यक्रम होंगे।

मैहर में शारदीय नवरात्र मेला धूमधाम से शुरू: पहले दिन 1.30 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए मां शारदा के दर्शन







सतना/मैहर। त्रिकूट पर्वत पर स्थित मां शारदा के धाम मैहर में रविवार तड़के से शारदीय नवरात्र मेले का भव्य और उत्साहपूर्ण शुभारंभ हो गया है। पर्व के पहले दिन मां शैलपुत्री की आराधना के साथ देश के कोने-कोने से पहुंचे 1 लाख 30 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने कपाट खुलते ही मां के दर्शन किए और सुख-समृद्धि की कामना की।

अलसुबह 3:30 बजे खुले मंदिर के कपाट

नवरात्र के पहले दिन रविवार को तड़के 3 बजे मंदिर के प्रधान पुजारी पवन महाराज द्वारा विधि-विधान से मां शारदा का प्रथम रूप मां शैलपुत्री के रूप में श्रृंगार और पूजन किया गया। इसके बाद ठीक 3:30 बजे श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के कपाट खोल दिए गए। दर्शन का यह सिलसिला सुबह से शुरू होकर देर रात तक अनवरत जारी रहा। 52 शक्तिपीठों में शुमार मैहर धाम में मध्य रात्रि से ही भक्तों की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई थीं।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम और हाई-टेक निगरानी

देशभर से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम दर्शन व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि मेला परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। व्यवस्था बनाए रखने के लिए 650 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।भीड़ पर पैनी नजर रखने के लिए पूरे परिसर में 114 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने और सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने के लिए ड्रोन कैमरों से भी लगातार निगरानी की जा रही है।

भक्तों में भारी उत्साह

प्रधान पुजारी पवन पांडेय ने बताया कि पहले दिन दोपहर तक ही सत्तर हजार से अधिक भक्त मां के दर्शन लाभ ले चुके थे,और कुल आंकड़ा 1.30 लाख के पार पहुंच गया। पुलिस और मंदिर प्रशासन की बेहतर व्यवस्था के चलते श्रद्धालु बिना किसी असुविधा के श्रद्धा और उल्लास के साथ मां के दरबार में हाजिरी लगा रहे हैं। मैहर की त्रिकूट पहाड़ियां 'जय माता दी' के जयकारों से गूंज उठी हैं।

थाने में केक काटकर मनाया मासूम का जन्मदिन, चेहरे पर लौटी मुस्कान

सिवनी। बरघाट के साप्ताहिक बाजार के दौरान एक करीब 04 वर्षीय बच्चा बाजार में अकेला घूमता हुआ मिला। बाजार में भीड़-भाड़ होने से बच्चा अपने परिजनों से बिछड़ गया था।सूचना मिलते ही बरघाट थाना पुलिस द्वारा तत्परता दिखाते हुए बच्चे को सुरक्षित थाना लाया गया। बच्चे की पहचान एवं परिजनों का पता लगाने हेतु सोशल मीडिया एवं आस-पास के ग्रामों में तत्काल सूचना प्रसारित की गई।थाना स्टाफ द्वारा बच्चे से प्रेमपूर्वक पूछताछ करने पर बच्चे ने अपना नाम शिवांश परते एवं पिता का नाम विनोद परते बताया। जानकारी मिलते ही पुलिस द्वारा बच्चे के पिता को थाना बुलाया गया, सत्यापन उपरांत मासूम शिवांश को सकुशल उसके पिता के सुपुर्द किया गया।पूछताछ के दौरान ज्ञात हुआ कि आज ही दिनांक 10/10/2026 को मासूम शिवांश का जन्मदिवस भी है। इस अवसर को यादगार बनाने के लिए थाना बरघाट स्टाफ द्वारा थाने में ही केक मंगवाकर बड़े ही हर्षोल्लास के साथ बालक शिवांश का जन्मदिन मनाया गया।

देसी शराब पीने के बाद युवक की बिगड़ी तबीयत, खून की उल्टियां

छतरपुर। जिले के किशनगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत कुपी चौकी क्षेत्र में देसी शराब के सेवन के बाद एक युवक की तबीयत बिगडने का मामला सामने आया है। खून की उल्टियां होने पर परिजन उसे आनन-फानन में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उसका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार, कुपी गांव निवासी नरेंद्र यादव (32) ने शनिवार को देसी शराब का सेवन किया था। शाम करीब चार बजे अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद परिजनों ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। मामले में गोलू यादव ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में निजी स्थानों पर कथित रूप से अवैध शराब की बिक्री की जा रही है। परिजनों ने कुपी चौकी प्रभारी जगदीश शिवहरे की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

सिविल लाइन पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई, महिला का पर्स लूटने वाले दो आरोपी गिरफ्तार





सतना।पुलिस ने शहर में मोटरसाइकिल से लूटपाट करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना सिविल लाइन क्षेत्र में 9 अक्टूबर को एक महिला को डरा-धमका कर पर्स लूटने की घटना सामने आई थी। पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह के निर्देशन और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना सिविल लाइन पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालकर संदिग्धों की पहचान की। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने सिविल लाइन और कोलगवां थाना क्षेत्र भरहुत नगर में महिलाओं के साथ हुई लूट की वारदातों को स्वीकार किया। नगर पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम गोपाल उर्फ राधे वंशकार निवासी उतैली और कुंदन वंशकार निवासी संग्राम कॉलोनी है। एक अन्य आरोपी अभी फरार है जिसकी तलाश जारी है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त अपाचे मोटरसाइकिल और लूटी गई नकद राशि बरामद कर ली है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया है। इस सराहनीय कार्रवाई में थाना प्रभारी प्रीती विश्वकर्मा और उनकी टीम की अहम भूमिका रही।

सोनवारी गांव में दिल दहला देने वाली वारदात, घर में सो रहे किसान की हत्या

मैहर। कोतवाली थाना क्षेत्र के सोनवारी गांव में रविवार देर रात अज्ञात हमलावरों ने सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया। खेत पर बने घर के बरामदे में खाट पर सो रहे 40 वर्षीय किसान रज्जन सिंह पटेल की धारदार हथियार से गला काटकर निर्मम हत्या कर दी गई।

चीख-पुकार सुनकर बीच-बचाव करने आईं उनकी पत्नी अंजना,बेटी रागनी,बेटा अनिकेत और बुजुर्ग दादी लल्ली सिंह पर भी हमलावरों ने वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। सीएसपी महेंद्र सिंह और थाना प्रभारी अभिषेक सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घायलों को सिविल



अस्पताल पहुंचाया,शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

आखिर पहाड़ की गोद में कैसे समा गई देवी मां की कन्या साधक?



हरपालपुर। जिले के हरपालपुर नगर में सैकड़ों फीट ऊंचे पहाड़ पर स्थित मां अद्रधकुंवारी का मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। लोकमान्यता के अनुसार, सैकड़ों वर्ष पहले दुर्गा मां की एक अनन्य साधक कन्या हल्दी लगाए पहाड़ पर पहुंची थी, जहां पहाड़ में दरार हुई और वह उसमें समा गई। मान्यता है कि उसी स्थान पर माता की सूक्ष्म पिंडी प्रकट हुई, जिसके बाद से यहां मां अद्रधकुंवारी की पूजा-अर्चना की जाने लगी।

जिला मुख्यालय छतरपुर से करीब 55 किलोमीटर दूर स्थित इस मंदिर तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को लगभग 300 सीढ़ियां चढऩी पड़ती हैं। मंदिर में सुबह चार बजे माता की आरती होती है, जबकि नवरात्र की अष्टमी पर विशेष रूप से श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। भक्त दूर-दराज से पहुंचकर माता के दरबार में अपनी मनोकामनाओं की अर्जी लगाते हैं। श्रद्धालुओं की आस्था है कि मां अद्रधकुंवारी के दरबार से कोई खाली हाथ नहीं लौटता।

दो बारातों के विवाद से जुड़ी है लोककथा

स्थानीय श्रद्धालुओं के अनुसार, एक निर्धन परिवार की कन्या दुर्गा मां की कठोर साधक थी। लोककथा के मुताबिक, संयोगवश एक ही दिन दो बारातें उससे विवाह करने पहुंच गईं, जिससे विवाद की स्थिति बन गई। घबराई कन्या शरीर पर हल्दी लगाए पहाड़ पर पहुंची और देवी मां का स्मरण करने लगी। मान्यता है कि इसी दौरान पहाड़ में दरार हुई और कन्या उसमें समा गई। जब लोग उसे खोजते हुए वहां पहुंचे, तो उन्हें हल्दी के निशानों के बीच एक सूक्ष्म पिंडी दिखाई दी। तभी से इस स्थान पर मां अद्रधकुंवारी की पूजा होने की मान्यता प्रचलित है। नवरात्र की अष्टमी पर उमड़ते हैं हजारों श्रद्धालु समय के साथ श्रद्धालुओं के सहयोग से पहाड़ पर मंदिर का निर्माण हुआ और दर्शन के लिए सीढ़ियां बनाई गईं। पहाड़ की ऊंचाई को देखते हुए सीढ़ियों के किनारे सुरक्षा के लिए रेलिंग भी लगाई गई है। श्रद्धालुओं के लिए पेयजल की व्यवस्था हेतु पहाड़ पर पानी की टंकी बनाई गई है। नवरात्र के दौरान सुबह से ही भक्तों का पहुंचना शुरू हो जाता है। विशेषकर अष्टमी की रात माता के दरबार में बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं।

गोपाल बाग में दिखा 15 से 20 फीट लंबा विशालकाय अजगर, ग्रामीणों को अलर्ट मवेशियों को खुला छोड़ने से बचने की सलाह, अंधेरे में अकेले जाने से भी किया गया सतर्क

रीवा। जिले के गोविंदगढ़ स्थित ऐतिहासिक गोपाल बाग में विशालकाय अजगर दिखाई देने की सूचना से इलाके में हलचल मच गई। स्थानीय लोगों के मुताबिक, बाग परिसर में नजर आए अजगर की लंबाई करीब 15 से 20 फीट बताई जा रही है। सार्वजनिक स्थल और आसपास के ग्रामीणों की आवाजाही वाले क्षेत्र में इतने बड़े सर्प के दिखाई देने की खबर के बाद लोगों में चिंता बढ़ गई है।

एहतियात के तौर पर आसपास के लोगों को सतर्क रहने और झाड़ियों की ओर जाने से बचने की सलाह दी गई है।गोपाल बाग ऐतिहासिक महत्व वाला स्थल है। यहां आसपास के ग्रामीणों का आना-जाना लगा रहता है। बाग के आसपास कई स्थानों पर झाड़ियां और घनी वनस्पति मौजूद हैं। ग्रामीण अपने मवेशियों को चराने के लिए भी इन क्षेत्रों में जाते हैं। ऐसे में अजगर दिखाई देने की सूचना के बाद उन लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है, जो रोजाना बाग के आसपास से गुजरते हैं या अपने पशुओं को चराने के लिए वहां ले जाते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, अजगर को गोपाल बाग में रेंगते हुए देखा गया। उसकी लंबाई 15 से 20 फीट के आसपास होने का अनुमान लगाया जा रहा है। हालांकि, अजगर की वास्तविक लंबाई की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घनी झाड़ियों और सुनसान हिस्सों में उसके छिपे होने की आशंका को देखते हुए लोगों को अनावश्यक रूप से वहां जाने से बचने की सलाह दी गई है।विशेषकर शाम ढलने के बाद और रात के समय झाड़ियों की ओर अकेले जाने से बचना चाहिए। यदि किसी आवश्यक काम से उस क्षेत्र में जाना पड़े, तो पर्याप्त रोशनी का इंतजाम रखें और आसपास के वातावरण पर ध्यान दें। बच्चों को भी बाग के सुनसान और झाड़ियों वाले हिस्सों में अकेले न जाने दें।

बकरियों और मवेशियों को खुला छोड़ने से बचें

गोपाल बाग के आसपास रहने वाले ग्रामीणों के लिए अपने मवेशियों की सुरक्षा को लेकर भी सावधानी बरतना जरूरी है। बकरियों, गाय-बछड़ों और अन्य पालतू पशुओं को झाड़ियों के आसपास खुला छोड़ने से बचें। पशुओं को सुरक्षित स्थान पर रखें और चराई के लिए ऐसी जगहों का चयन करें, जहां घनी झाड़ियों में वन्यजीव के छिपे होने की आशंका न हो। ग्रामीणों को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि किसी सर्प की मौजूदगी की आशंका वाले क्षेत्र में पशुओं को अकेला न छोड़ें। यदि झाड़ियों में कोई हलचल दिखाई देती है, तो उसके पास जाकर जांच करने के बजाय सुरक्षित दूरी बनाकर संबंधित अधिकारियों को सूचना दें।

अजगर दिखे तो न छेड़ें, न पकड़ने की कोशिश करें

अजगर दिखाई देने पर उसे देखने के लिए भीड़ जुटाना या उसके करीब जाकर फोटो और वीडियो बनाने की कोशिश करना जोखिम भरा हो सकता है। लोग उससे पर्याप्त दूरी बनाए रखें और उसे घेरने, भगाने या पकड़ने का प्रयास न करें। सर्प को परेशान करने से स्थिति खतरनाक हो सकती है।

स्कूल में घुसकर डिप्टी कमांडेंट ने छात्र को पीटा: बेटे के सहपाठी से मारपीट

परिजन बोले- गर्दन पकड़कर तीसरी मंजिल से फेंकने की धमकी दी

हरिभूमि न्यूज़ बालाघाट।बालाघाट जिले के गर्रा मांझापुर स्थित साहूटोला सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल में 36वीं वाहिनी के डिप्टी कमांडेंट संतोष डहेरिया पर अपने बेटे के सहपाठी से मारपीट करने का आरोप लगा है।पीड़ित छात्र के परिजन शनिवार को एसपी कार्यालय पहुंचे और शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। छात्र की मां ममता वासनिक का आरोप है कि डिप्टी कमांडेंट ने उनके बेटे की गर्दन पकड़कर उसे तीसरी मंजिल से फेंकने की धमकी दी। घटना के बाद से बच्चा डरा हुआ है।

परिजनों के अनुसार, घटना शुक्रवार दोपहर करीब 12:50 बजे की है। दोनों बच्चे एक ही कक्षा में पढ़ते हैं। स्कूल में किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। इसके बाद एक बच्चे ने अपने पिता को इसकी जानकारी दी।आरोप है कि इसके बाद डिप्टी कमांडेंट स्कूल पहुंचे और सीधे कक्षा में जाकर अपने बेटे के सहपाठी की पिटाई कर दी। परिजनों का कहना है कि छात्र ने गाली देने और धमकी देने की बात भी बताई है।

परिजनों ने एसपी से की शिकायत

छात्र की मां ममता वासनिक ने एसपी से शिकायत कर मामले में नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है। परिजनों का आरोप है कि स्कूल प्रबंधन ने पहले मामले को दबाने का प्रयास किया।उनका कहना है कि स्कूल के शिक्षक घर भी पहुंचे थे और मामले में शिकायत नहीं करने की बात कही थी। हालांकि, बच्चे के साथ भविष्य में कोई अनहोनी न हो, इस आशंका के चलते परिवार ने पुलिस से शिकायत की।स्कूल की प्राचार्य पूर्णिमा देशमुख ने बताया कि घटना के कुछ देर बाद शिक्षक कक्षा में पहुंच गए थे। उन्होंने कहा कि स्कूल के नियमों के विपरीत आचरण के मामले में कार्रवाई करते हुए संबंधित बालक को टीसी दे दी गई है। परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने जांच का भरोसा दिलाया है। फिलहाल, मामले में आगे की कार्रवाई जांच के बाद होगी।

गलत उपचार की शिकायत करने वाली महिला की मौत

रीवा। संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय, रीवा के चिकित्सकों पर कथित रूप से गलत उपचार किए जाने का आरोप लगाकर शिकायत करने वाली महिला की मौत का मामला सामने आया था। महिला की आगजनी से मौत के बाद उनके उपचार, बीमारी से जुड़ी परिस्थितियों और शिकायत पर हुई कार्रवाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और मामले में पुलिस की जांच महत्वपूर्ण होगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के तिलखन गांव की निवासी मिथिलेश सिंह अपने परिवार से अलग होकर रीवा के बोदाबाग क्षेत्र में रह रही थीं। बताया जाता है कि उन्होंने कुछ समय पहले कलेक्टर के समक्ष शिकायत प्रस्तुत करते हुए संजय गांधी अस्पताल के चिकित्सकों पर गलत उपचार किए जाने का आरोप लगाया था। उन्होंने अपने उपचार और न्याय के लिए प्रशासन से मदद मांगी थी। जानकारी के मुताबिक, शिकायत के बाद कलेक्टर की ओर से उनके निशुल्क उपचार की व्यवस्था कराने का आश्वासन दिया गया था। हालांकि, महिला को इसके बाद किस तरह की चिकित्सा सुविधा मिली और उनके उपचार की वास्तविक स्थिति क्या रही, इस संबंध में विस्तृत आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। बताया गया है कि महिला बीमारी के उपचार के लिए चार दिन पहले दिल्ली के वेदांता अस्पताल गई थीं, लेकिन कथित तौर पर आर्थिक कठिनाइयों के कारण वहां उपचार नहीं हो सका। इसके बाद वह दो दिन पहले रीवा लौट आई थीं। अब उसकी मौत की सूचना सामने आई।

पुलिस अधीक्षक ने आरक्षक को किया निलंबित

शहडोल। कर्तव्य के दौरान मनमानी और अनुशासनहीनता बरतने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने सख्त तेवर अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। थाना जयसिंहनगर के एफआरवी वाहन पर तैनात आरक्षक प्रहलाद सिंह को अपनी ड्यूटी का अनधिकृत उपयोग करना भारी पड़ गया। आरक्षक द्वारा बिना किसी पूर्व सूचना के और उच्च अधिकारियों को अंधेरे में रखकर एफआरवी वाहन का मनमाने ढंग से उपयोग किया गया, जिसके चलते मौके पर अप्रिय स्थिति पैदा हो गई। इस गंभीर अनुशासनहीनता और लापरवाही को थाना प्रभारी व वरिष्ठ अधिकारियों ने बेहद गंभीरता से लिया। अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) ब्यौहारी द्वारा सौंपे गए जांच प्रतिवेदन के आधार पर एसपी डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी आरक्षक प्रहलाद सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

संचालक पर लोहे की रॉड से हमला, मौके पर पहुंचे एसपी एवं एडिशनल एसपी

सनसनीखेज वारदात: विनय ज्वेलर्स में डकैतों ने बोला धावा

हरिभूमि न्यूज ⏭ पांढुर्णा

शहर के गणेश वार्ड स्थित गुजरी बाजार क्षेत्र में शुक्रवार-शनिवार की मध्यरात्रि एक दुस्साहसिक वारदात सामने आई है। यहां गुजरी बाजार के विनय ज्वेलर्स शॉप में हथियारबंद बदमाशों ने डकैती को अंजाम दिया। डकैतों ने दुकान के सीसीटीवी कैमरे के तार काटने के बाद ताला तोडकर करीब 160 ग्राम सोने के आभूषण व चांदी के जेवर लेकर फरार हो गए।

इस दौरान दुकान संचालक राजेश खरवड़े ने साहस का परिचय देते हुए बदमाशों का मुकाबला किया, लेकिन डकैतों ने लोहे की रॉड से वार कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। राजेश खरवडे को



नागपुर रेफर किया गया है, जहां वे आईसीयू में भर्ती हैं। नवागत एसपी विदिता धनखड और एडिशनल एसपी मनकामना प्रसाद ने मौका ए वारदात का मुआयना कर डकैती प्रभावित परिवार से चर्चा की।

जानकारी के अनुसार, करीब छह बदमाश बाइक पर सवार होकर आए थे। इनमें से तीन बदमाश दुकान के अंदर घुसे, जबकि अन्य बाहर निगरानी कर रहे थे। बदमाशों ने जैसे ही ताला तोड़कर आभूषण समेटने शुरू किए, आहट पाकर दुकान में सो रहे, संचालक राजेश खरवड़े की नींद खुल गई। गौरतलब है कि, राजेश खरवडे की दुकान भूतल पर है और मकान पहली मंजिल पर स्थित है।

हार्ट सर्जरी के बावजूद दिखाया साहस

राजेश खरवडे के हार्ट मरीज होने के बावजूद उन्होंने जान की परवाह किए बिना बदमाशों का सामना किया और एक बदमाश को दबोच भी लिया। यह देख दूसरे एक बदमाश ने उनके सिर पर लोहे की रॉड से ताबड़तोड़ वार किए, जिससे वे गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। इसके बाद लहूलुहान अवस्था में राजेश ने पहली मंजिल पर जाकर परिजनों को घटना से अवगत कराया।

लाखों के आभूषण ले उड़े बदमाश

संचालक विनय खरवड़े के अनुसार, बदमाश दुकान से लगभग 160 ग्राम सोने के जेवर जिनमें पेंडेंट, लॉकेट, चेन और ईयर रिंग शामिल हैं तथा चांदी के ब्रेसलेट व अन्य जेवर चुरा ले गए। हालांकि, गनीमत यह रही कि वे दुकान में रखे मुख्य लॉकर को तोड़ने में सफल नहीं हो सके। चोरी गए सामान की कुल कीमत का आकलन किया जा रहा है।

पुलिस गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

यह वारदात गुजरी बाजार स्थित घनी आबादी वाले गणेश वार्ड में हुई है, जिससे स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि गुजरी बाजार में वर्षों से पुलिस का गश्ती पॉइंट रहा है, लेकिन पिछले कुछ दिनों से पुलिस की नियमित मौजूदगी नहीं दिख रही थी। लोगों ने क्षेत्र में तत्काल पुलिस गश्त बढ़ाने और स्थायी गश्ती पॉइंट फिर से शुरू करने की मांग की है। इस घटना ने पुलिस महकमे की नींद उड़ा दी है। गौरतलब है कि पांढुर्णा की नवागत पुलिस अधीक्षक विदिता धनखड़ ने शुक्रवार को ही जिले में आमद दी थी और शनिवार को उन्हें विधिवत पदभार ग्रहण करना था।

आज नौसेना में होगा शामिल

दुश्मन की पनडुब्बियां उथले पानी में भी मंगरोल से नहीं बच पाएंगी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

उथले पानी में भारत की मारक क्षमता और मजबूत होने वाली है। पनडुब्बी रोधी युद्धपोत शैलो वॉटर क्राफ्ट (एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी) मंगरोल 12 अक्तूबर को नौसेना में शामिल होगा। कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल), कोच्चि की तरफ से निर्मित यह इस प्रकार का तीसरा युद्धपोत है। तटीय और उथले पानी में पानी के भीतर के खतरों का पता लगाने तथा उनका मुकाबला करने के लिए डिजाइन किया गया मंगरोल आधुनिक हथियारों व सेंसरों से लैस है। समारोह की अध्यक्षता पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन करेंगे।

स्वदेशी पनडुब्बी रोधी रॉकेट लॉन्चर समेत कई खूबियां

इनमें अभय हल-माउंटेड सोनार, हल्के वजन के टॉरपीडो, एक स्वदेशी पनडुब्बी रोधी रॉकेट लॉन्चर और मारीच उन्नत टॉरपीडो डिकॉय सिस्टम शामिल हैं। तीन डीजल इंजनों से चलने वाला यह पोत उथले पानी में ऑपरेशन के दौरान आसानी से और तेजी से मुड़ने की क्षमता रखता है। यह पानी के नीचे निगरानी रखने, कम तीव्रता वाले समुद्री ऑपरेशन और माइन वॉरफेयर (सुरंग युद्ध) से जुड़े काम करने में भी सक्षम है।



खतरों का पता लगाकर तुरंत निपटता है

यह जहाज समुद्री गश्ती विमानों, हेलिकॉप्टरों और अन्य युद्धपोतों के साथ मिलकर पनडुब्बी से जुड़े खतरों का पता लगाने और उनसे निपटने का काम कर सकता है। इसके शामिल होने से नौसेना के पत्तन, बंदरगाहों और तटीय इलाकों की सुरक्षा करने की क्षमता बढ़ेगी।

80 प्रतिशत से ज्यादा स्वदेशी सामग्री

80 प्रतिशत से ज्यादा स्वदेशी सामग्री से बना मंगरोल युद्धपोत के डिजाइन, निर्माण तथा उन्नत हथियारों व सेंसर को जोड़ने के मामले में भारत की बढ़ती क्षमताओं को दिखाता है। मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत सीएसएल की तरफ से बनाया गया यह जहाज, रक्षा क्षेत्र में जहाज बनाने के मामले में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक और अहम कदम है।

'मंगरोल' नाम गुजरात के बंदरगाह के नाम पर

नौसेना डॉकयार्ड, मुंबई में भारतीय नौसेना में शामिल किया जाएगा स्वदेशी पनडुब्बी रोधी युद्धपोत 'मंगरोल'। नामकरण का आधार गुजरात के जूनागढ़ जिले का तटीय शहर और मछली पकड़ने का प्रमुख काम करने वाला बंदरगाह 'मंगरोल'।

इन आधुनिक हथियारों और सेंसरों से लैस

- भारत के स्वदेशी युद्धपोत पर 'अभय' हल-माउंटेड सोनार, हल्के वजन के टॉरपीडो मौजूद रहेंगे
- एक स्वदेशी पनडुब्बी रोधी रॉकेट लॉन्चर और 'मारीच' उन्नत टॉरपीडो डिकॉय सिस्टम भी इंस्टॉल है
- वाटरजेट प्रोपल्शन (जल-नौदन प्रणाली) वाले तीन डीजल इंजनों से चलने वाला यह पोत उथले पानी में ऑपरेशन के दौरान आसानी से और तेज़ी से मुड़ने की क्षमता से लैस
- यह जहाज़ समुद्री गश्ती विमानों, हेलीकॉप्टरों और अन्य युद्धपोतों के साथ मिलकर पनडुब्बी से जुड़े खतरों का पता लगाने और उनसे निपटने के काम में सक्षम
- एम-85 की दिलाएगा याद
- गुजरात के जूनागढ़ जिले के एक तटीय शहर और प्रमुख मछली पकड़ने के बंदरगाह मंगरोल के नाम पर इसका नाम रखा गया है। यह पोत पूर्ववर्ती आईएनएस मंगरोल (एम-85) की विरासत को आगे बढ़ाता है जो एक सुरंगरोधी पोत था। उसने 07 अप्रैल, 2004 तक भारतीय नौसेना में अपनी सेवाएं दी थीं



श्री बम्लेश्वरी मंदिर ट्रस्ट समिति की ज्योति विसर्जन यात्रा ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

डोंगरगढ़। छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध शक्तिपीठ माँ बम्लेश्वरी धाम, डोंगरगढ़ के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। श्री बम्लेश्वरी मंदिर ट्रस्ट समिति द्वारा विगत चैत्र नवरात्रि के नवमी पर्व पर आयोजित ज्योति विसर्जन महायात्रा के दौरान 962 महिलाओं द्वारा सिर पर ज्योति कलश धारण कर परम्परानुसार ज्योति विसर्जन यात्रा करने के विहंगम व अद्भुत क्षण को विश्व रिकॉर्ड में सम्मिलित किया गया है।

पहाड़ी पर कांसे की आवाज वाले पत्थर पर विराजी मां गरजाई

परमेश्वर यादव ▶▶ रसेला

चरवाहे की एक भूल से जुड़ी अनूठी लोककथा





नवरात्रि-2 दिन

गरियाबंद जिले के रसेला के पास माता का गरजाई धाम क्षेत्र के लोगों के लिए अटूट आस्था का केंद्र है। घने जंगलों से घिरे पहाड़ों के ऊपर स्थित है गरजाई। जैसा मां का नाम वैसी ही अपनी उपस्थिति का संकेत देती है मां गरजाई। अनगिनत पत्थरों के बीच 510 सीढियां के ऊपर सबसे ऊंची पहाड़ी में स्थित है मां गरजाई। मूल रूप से धमना के जंगलों के पहाड़ी डोंगरी में विराजित मां गरजाई की ख्याति अब दूर-दूर तक फैल रही है। लोककथा के अनुसार मां गरजाई धमना की डोंगरी में अपनी बहन सोनई रुपाई के साथ दरबार लगा कर बैठी थी कि एक चरवाहा वहां अपनी भेड़ खोजते अचानक पहुंच गया। माता गरजाई देवी ने उससे कहा कि वह वापस जाकर अपने घर में भेड़ को देखे। चरवाहा घर लौटा तो भेड़ को अपनी जगह बंधा देखकर आश्चर्यचकित रह गया। उसने यह बात परिवार सहित धमना के लोगों को बताई। गांव वालों के साथ चरवाहा अपने परिवार के साथ उसी जगह पर पहाड़ी के जगह पर गया जहां जिस जगह पर देवी बैठी थी। उस जगह पर लाल कमल का फूल दिखाई दिया। पहाड़ी के ऊपर किसी के नहीं मिलने पर गांव वालों ने चरवाहे की खूब हंसी उड़ाई। इससे परेशान होकर चरवाहे ने पुनः उस कमल फूल को याद कर गांव वालों की हंसी उडाने की बात कही। चरवाहे की विनती सुनकर मां ने अपने स्थान पर अपना वाहन सिंह को गांव में भेजा। धमना सहित पूरे जंगल में शेर के आने की खबर से लोगों में दहशत फैल गई। तब गांव के लोगों ने क्षमा मांगते हुए मां के रहने के जगह की जानकारी मांगी। तब मां ने अपने बैठने के स्थान को कांसा की झंकार की आवाज आने की बात कही। गांव वालों ने जंगल के ऊपरी पहाड़ी में स्थित सभी पत्थरों को बजाकर देखा। जहां पर एक पत्थर से कांसे की झंकार की आवाज आती थी। उसी पत्थर के स्थान को लोगों ने मां गरजाई का स्थान माना। गांव वालों का विश्वास है कि नवरात्रि में विशेष पूजा अर्चना से गांवों में देवी-देवताओं का छत्र छाया बनी रहती है। मां गरजाई धाम में 55 गांवों के देवी देवताओं को पूजा पाठ के लिए आमंत्रित किया जाता है। इन सभी देवी-देवताओं की ग्रामीण पूजा करते हैं, लेकिन मुख्य पूजा गरजाई माता की होती है।

रमई पाठ धाम में विराजी हैं सीता मैया, आम की जड़ से निकल रहा बारहमासी जल





तेजराम ध्रुव ▶▶ मुड़ागांव(कोरासी)

गरियाबंद जिले के छुरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम सोरिद खुर्द से करीब एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित रमई पाठ धाम धार्मिक आस्था, प्राकृतिक रहस्यों और प्राचीन धरोहरों का अनूठा संगम है। यहां प्राचीन प्रतिमाएं, प्राकृतिक जलस्रोत और वन क्षेत्र श्रद्धालुओं के साथ पर्यटकों को भी आकर्षित करते हैं। स्थानीय मान्यता के अनुसार यहां आठवीं शताब्दी से जुड़ी प्राचीन प्रतिमाएं मौजूद हैं। रमई पाठ में गादी माई की गोद में सीता मैया के विराजमान होने की मान्यता है। हर वर्ष शारदीय और चैत्र नवरात्र के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां ज्योति कलश प्रज्ज्वलित करवाते हैं। आम की जड़ से निकलता है बारहमासी जल रमई पाठ धाम की सबसे खास विशेषताओं में यहां स्थित गंगा मैया का प्राकृतिक जलस्रोत शामिल है।

मैसूरु में पारंपरिक दशहरा उत्सव शुरू

मैसूरु। महलों के शहर मैसूरु में 11 दिन तक चलने वाले प्रसिद्ध दशहरा उत्सव की शुरुआत रविवार को धार्मिक और पारंपरिक उत्साह के साथ हुई। कोप्पल के गविमठ के



पुजारी अभिनव गविसिद्धेश्वर महास्वामीजी ने उत्सव का उद्घाटन किया। 'नाडा हब्बा' (राज्य उत्सव) के रूप में मनाया जाने वाला दशहरा या 'शरण नवरात्र' उत्सव इस साल काफी भव्य होने की उम्मीद है। इस दौरान कर्नाटक की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं के साथ-साथ राजसी वैभव और गौरव की झलक भी देखने को मिलेगी। स्वामीजी ने मैसूरु और वहां के राजघरानों की आराध्य देवी चामुंडेश्वरी की प्रतिमा पर फूल बरसाकर उत्सव की शुरुआत की। यह कार्यक्रम चामुंडी पहाड़ियों पर स्थित चामुंडेश्वरी मंदिर परिसर में हुआ, जहां पुजारियों ने वैदिक मंत्रों का जाप किया और यह शुभ 'धनुर लग्न' के दौरान किया गया।

बेटे की सड़क किनारे और घर के बाथरूम में मिली मां की लाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिश्रामपुर

जिले में मां-बेटी की दोहरे हत्याकांड की घटना से लोग अभी उबर भी नहीं पाए थे और एक बार फिर से मां-बेटे के दोहरे हत्याकांड का मामला सामने आया है। पहले बेटे का शव महावीरपुर में सड़क के किनारे मिला। युवक के शव को गाड़ दिया गया था। दिनभर की मशक्कत के बाद पहचान करते हुए जब पुलिस मृतक के घर पहुंची तो वहां का मंजर देखकर हैरान रह गई। घर के अंदर बाथरूम में उसकी मां की लाश भी पड़ी हुई थी। एक तरफ जहां बेटे की धारदार हथियार से हत्या की गई थी, वहीं महिला की हत्या गला दबाकर किए जाने की बात सामने आई। घर व बाथरूम में संघर्ष के निशान मिले हैं। इस अंधे कत्ल से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। सूचना पर पुलिस, फोरेंसिक व डॉग स्क्वायड की टीम मौके पर पहुंची और घटना की जांच चल रही है। फिलहाल हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। बता दें कि शनिवार की सुबह जयनगर थाना अंतर्गत ग्राम महावीरपुर एनएच 43 से लगी ग्रामीण सड़क के किनारे एक युवक का शव मिला था। हत्यारों ने शव को दफन किया था, लेकिन जल्दबाजी में वे ठीक से शव को दफन नहीं कर पाए और उसका पैर बाहर रह गया था। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस द्वारा शव को बरामद कर मर्च्युरी में भेजने के साथ ही मृतक की पहचान की जा रही थी। दिनभर की मशक्कत के बाद मृतक की पहचान 18 वर्षीय सुजल बरेट के रूप में की गई थी। सुजल बरेट अपनी मां रजनी बरेट के साथ बिश्रामपुर के केशवनगर ममता कालोनी में किराए के मकान में रहता था और कार्मेल स्कूल में कक्षा 12वीं का छात्र था। मृतक की पहचान होने के बाद पुलिस टीम देर शाम मृतक के घर पहुंची लेकिन वहां बाहर से ताला लगा हुआ था। बेटे की मौत और घर पर ताला लगा होने पर पुलिस ने आस पास के लोगों को मौके पर बुलाने के बाद घर का ताला तोड़कर घर की तलाशी ली। तलाशी के दौरान जब पुलिस बाथरूम में पहुंची तो उनके होश उड़ गए। घर में सुजल की मां रजनी की भी लाश पड़ी हुई थी। रात होने के कारण पुलिस ने घर को सील कर दिया था।



घटना की जांच में जुटी पुलिस

रविवार को पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस द्वारा लाश को पीएम के लिए भेजने के साथ ही घटना की जांच शुरू की। पुलिस, फॉरेंसिक, व डॉग स्क्वायड की टीम मौके पर पहुंचकर सबूत जुटाने के साथ ही घटना की जांच कर रही है लेकिन फिलहाल हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

नेपाल में फिर बाढ़, 35 मकान डूबे, पुल ढहे

अब लैंडस्लाइड का खतरा, अलर्ट

एजेंसी ▶▶ काठमांडू



नेपाल के गोरखा जिले के चुमनुब्री गांवपालिका में रविवार सुबह अचानक भीषण बाढ़ आ गई। बूढ़ी गंडकी नदी में आई बाढ़ से पैयू और बगर गांवों के 35 मकान बह गए। बाढ़ के कारण कई गांवों में भारी नुकसान हुआ है, जबकि कई मोटर पुल और झूला पुल भी बह गए हैं। अब लैंडस्लाइड का खतरा है।

प्रशासन ने नदी के निचले तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। गोरखा के प्रमुख जिला अधिकारी धरेन्द्र कुमार मिश्र ने बताया कि रविवार सुबह 4 बजकर 35 मिनट पर बड़ी बाढ़ आने की सूचना मिली। स्थिति का जायजा लेने के लिए नेपाली सेना का हेलीकॉप्टर भेजने की तैयारी की जा रही है। बाढ़ में आरुघाट गांवपालिका के सोती और मान्बु को जोड़ने वाला मोटर पुल बह गया। पुलिस की मानें तो चुमनुब्री गांवपालिका के न्याकचेत में न्याकचेत और सिर्दिबास को जोड़ने वाला पुराना झूला पुल भी बह गया है। धार्चे गांवपालिका के माछीखोला से केरौजा को जोड़ने वाला झूला पुल और आरुघाट गांवपालिका और 3 गावों को जोड़ने वाला सोती स्थित लोहे का पक्का पुल भी बाढ़ की चपेट में आकर बह गया।

नदी किनारे रह रहे लोगों के लिए अलर्ट

चुमनुब्री गांवपालिका के अध्यक्ष निमा लामा के मुताबिक, गांवपालिका स्थित चुम्के खोला में भूस्खलन के कारण नदी का बहाव रुक गया था। इसके बाद अचानक बाढ़ आ गई। बाढ़ पूर्वानुमान महाशाखा ने लोगों को सतर्क करने के लिए एसएमएस अलर्ट जारी किया है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने भी नदी किनारे रहने वाले लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। बाढ़ से दोभान, घट्टेखोला, जगत और सल्लेरी गांवों में भारी तबाही मची है।

जगत में लैंडस्लाइड का खतरा, 6 लोग एयरलिफ्ट

नेपाल के पीएम बालेन शाह ने भी बताया कि बूढ़ी गंडकी नदी में बाढ़ के बाद, नेपाली सेना की एक टुकड़ी को सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए हवाई और जमीनी रास्तों से तैनात किया गया है। उन्होंने कहा, जगत इलाके से 6 लोगों को एयरलिफ्ट किया गया है, जहां लैंडस्लाइड का खतरा है। काठमांडू में तैनात कम्पोजिट क्विक रिएक्शन टीम को भी हवाई ट्रांसपोर्ट के जरिए बताए गए इलाके में तैनात किया गया है।

9 साल का बच्चा बना दुनिया के लिए मिसाल, लगा रहा 1 लाख करोड़ पौधे



बर्लिन। जनवरी 2007 में जर्मनी में नौ साल के फेलिक्स फिंकबाइनर चौथी कक्षा में थे तो उन्हें क्लाइमेट चेंज (जलवायु परिवर्तन) पर प्रेजेंटेशन देना था। इसी पर पढ़ते हुए उनको वंगारी मथाई की कहानी के बारे में पता चला, जिनके ग्रीन बेल्ट मूवमेंट ने केन्या में महिलाओं को 3 करोड़ पेड़ लगाने में मदद की थी। फेलिक्स ने अपने प्रेजेंटेशन को इस सुझाव के साथ खत्म किया कि हर देश के बच्चों को दस लाख पेड़ लगाने चाहिए। इसके बाद ये ऐसा आंदोलन बना, जिसके चलते एक ट्रिलियन पेड़ लगाने का शानदार काम किया जा रहा है। यूनाइटेड नेशंस एनवायरनमेंट प्रोग्राम के अनुसार, जो चीज एक स्कूल प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू हुई थी, वह सिर्फ तीन साल बाद एक बहुत बड़ी उपलब्धि तक पहुंच गई, जब इस पहल के तहत जर्मनी में दस लाखवां पेड़ लगाया गया। इस पहल का मकसद दुनिया को एक ट्रिलियन (10 खरब) पेड़ फिर से उगाने में मदद करना है। यह एक ग्लोबल लक्ष्य है, ना कि कोई ऐसा वादा कि एक ही संस्था खुद सारे पौधे लगाएगी। स्कूल में पढ़ने वाले इस लड़के ने 13 साल की उम्र में अपना संदेश यूनाइटेड नेशंस जनरल असेंबली तक पहुंचाया। आज, फिंकबाइनर संस्था की पॉलिसी टीम के साथ मिलकर पेड़ लगाने और संरक्षण का काम आगे बढ़ा रहे हैं। प्लांट-फॉर-द-प्लैनेट ने प्रोजेक्ट में 3.6 करोड़ से पेड़ लगाए हैं, जबकि इसके प्लेटफॉर्म के जरिए 110 मिलियन (11 करोड़) पेड़ों के लिए फंडिंग की गई है। इसके पेड़ लगाने और संरक्षण के कामों में मेक्सिको, घाना और स्पेन के प्रोजेक्ट शामिल हैं।

अस्थि विसर्जन में ले जाने से मना करने पर पांचवीं के छात्र ने लगा ली फांसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

अपने बड़े पिता के अस्थि विसर्जन में साथ ले जाने परिजनों ने पांचवीं के छात्र को मना करने पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में जुटी हुई है। जामुल पुलिस ने बताया कि नवीन चौक जामुल निवासी छात्र मनीष देवांगन के बड़े पिता का निधन हो गया था। जिसका अस्थित विसर्जन करने के लिए परिजन राजिम जाने के लिए निकल रहे थे। तभी मनीष भी उनके साथ जाने के लिए जिद्द कर रहा था। परिजनों ने उसे साथ ले जाने से इंकार कर दिया। आक्रोशित होकर मनीष ने अपने ही घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। घटना की खबर लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को को फंदा से उतारकर पंचनामा किया और पीएम के लिए मरचूरी भेजा गया। पुलिस परिजनों से पूछताछ भी कर रही है। घटना से जुड़े तथ्यों की जांच में जुटी हुई है।



ऐसा हर जगह क्यों नहीं हो सकता?

ओडिशा का बाबेइजोड़ा गांव साफ-सफाई के मामले में बना मिसाल

नई दिल्ली। ओडिशा के बाबेइजोडा गांव ने साफ-सफाई के मामले में मिसाल कायम की है। इस गांव के साफ-सफाई की काफी तारीफ हो रही है। गांव 15 साल से कचरा मुक्त और प्लास्टिक मुक्त बना हुआ है। अब तो उद्योगपति हर्ष गोयनका ने भी इस गांव की तारीफ कर दी। साथ ही उन्होंने देश के अन्य गांव और शहरों में इसी तरह के मिशन अपनाने की अपील की है। बाबेइजोडा गांव की तारीफ में की गई हर्ष गोयनका की पोस्ट पर काफी लोगों ने प्रतिक्रियाएं दी हैं। दरअसल, हर्ष गोयनका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बाबेइजोडा गांव का वीडियो शेयर किया है। यह ओडिशा के मयूरभंज जिले के बिसोई ब्लॉक में स्थित छोटा सा आदिवासी गांव हैं। बाबेइजोडा गांव की साफ-सफाई की तारीफ करते हुए हर्ष गोयनका ने सवाल उठाया कि क्या ऐसे ही मिशन दूसरे गांवों और शहरों में नहीं अपनाए जा सकते हैं। उन्होंने अपनी एक्स पोस्ट में लिखा, 'मज़बूत कम्युनिटी भावना की वजह से ओडिशा का बाबेइजोडा गांव पिछले 15 सालों से साफ़-सुथरा, कचरा-मुक्त और प्लास्टिक-मुक्त बना हुआ है।



लोगों की प्रतिक्रियाएं

एक यूजर ने तो सवाल उठाते हुए लिखा, "पेड़ कहां है? क्या कूड़ा-रहित जीवन जीने का यही तरीका है। वीडियो में तो मुझे काफी गर्मी महसूस हो रही है। मुझे लगता है कि यह गांव का आदर्श मॉडल नहीं है। अगर किसी को सच में ऐसा करना है तो मिजोरम आ जाइए. वहां के गांव सचमुच साफ-सुथरे हैं। क्यों? क्योंकि लोग जिम्मेदारी लेते हैं। वहीं, एक अन्य यूजर ने कहा कि मुझे लगता है कि बड़े शहरों में व्यापक सोच की कमी है। हम संकीर्ण मानसिकता वाले हो जाते हैं, इसलिए इधर-उधर कूड़ा फेंकते हैं और अपने समुदाय की परवाह नहीं करते। मेरा मानना है कि हम सभी को इस गांव से सीख लेनी चाहिए और बेहतरी के लिए प्रयास करना चाहिए।

एकदम साफ दिख रहीं गांव की सड़कें

वीडियो में बाबेइजोडा की सड़कें एकदम साफ दिख रही हैं। साथ ही लोगों के घर भी चमकीले रंगों से रंगे हुए हैं। वीडियो में कहीं पर भी रास्ते में कचरा नहीं नजर आ रहा है। जब हर्ष गोयनका ने इस गांव की तरह अन्य गांव और शहरों में मिशन चलाने को लेकर सवाल किया तो लोगों ने अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दीं। कुछ लोग तो हर्ष गोयनका के सुझाव से सहमत दिखे तो कुछ ने इस तरह के मिशन चलाने के लिए आने वाली चुनौतियों की ओर इशारा किया।

ग्रेटर नोएडा के एक निवासी को सीसीटीवी कैमरे ने अनाउंसमेंट के जरिए सिखाया सबक

'इधर आओ! कूड़ा क्यों डाला वहां..' रात के सन्नाटे में आई आवाज से घबराया शख्स

एजेंसी ▶▶ नोएडा

स्वच्छ भारत अभियान और स्मार्ट सिटी की निगरानी का असर अब रात के अंधेरे में भी साफ नजर आने लगा है। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर बीटा-1 में एक शख्स रात के सन्नाटे में सड़क किनारे कचरा फेंककर जा रहा था, तभी अचानक लाउडस्पीकर से गूंजी आवाज ने उसे चौंका दिया। घबराए शख्स ने तुरंत अपना फेंका हुआ कचरा उठा लिया। यह पूरा वाकया सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया और सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

एक्स पर शेयर किया गया वीडियो

इस वीडियो को एक्स पर शेयर किया गया है। वीडियो में एक शख्स दीवार के पास कचरे से भरी पॉलीथिन फेंककर जाने लगा। तभी स्मार्ट सिटी सीसीटीवी कैमरे से जुड़े स्पीकर से भारी आवाज गूंजी- "कूड़ा यहां से उठाओ हेलो! भाई, इधर आओ, इधर आओ कूड़ा क्यों डाला वहां पे? उठाओ इसको!" सड़क पर सन्नाटा था। अचानक खुद को संबोधित करती आवाज सुनकर शख्स पूरी तरह भौचक्का रह गया। वह इधर-उधर देखने लगा कि आवाज कहां से आ रही है।



कचरा उठाओ नहीं तो चालान कटेगा

तभी दोबारा चेतावनी दी गई- "सुबह चालान कटेगा आपका, सर आ गए आप कैमरे में कूड़ा उठाओ वहां से भाई, अभी उठा लो।" चालान और कैमरे में कैद होने की बात सुनते ही शख्स घबरा गया। वह तुरंत वापस लौटा, अपना फेंका हुआ कचरा उठाया और वहां से चला गया। स्थानीय स्तर पर इस पहल की तारीफ की जा रही है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद लोग साफ-सफाई को लेकर जागरूकता की जरूरत पर जोर दे रहे हैं। स्थानीय लोगों की राय है कि सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा फेंकने की आदत रोकने के लिए जागरूकता के साथ नियमों का पालन भी जरूरी है।

रात-दिन कैमरे से की जाती है निगरानी

सेक्टर बीटा-1 के महासचिव हरेंद्र भाटी के मुताबिक, यह घटना कल रात करीब 10:15 बजे की है। उनके अनुसार, सेक्टर में रहने वाला एक व्यक्ति घर से कूड़ा लेकर आया और दीवार के किनारे उसे फेंककर जाने लगा। इसी दौरान सीसीटीवी कैमरे की निगरानी कर रहे व्यक्ति ने पब्लिक अनाउंसमेंट के जरिए उसे कूड़ा तत्काल उठाने को कहा। भाटी ने बताया कि सेक्टर में साफ-सफाई बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। निगरानी के जरिए खुले में कूड़ा फेंकने वालों को चिन्हित किया जाता है और जरूरत पड़ने पर चालान की कार्रवाई कराई जाती है।

रील बनाना पड़ा महंगा, कोबरा ने स्नेक कैचर की ले ली जान

एजेंसी ▶▶ पुरी

सोशल मीडिया पर वायरल होने की चाह में खतरनाक स्टंट करना एक बार फिर जानलेवा साबित हुआ है। ओडिशा के पुरी जिले में घर के बरामदे में जहरीले कोबरा के साथ वीडियो बनाते समय मशहूर स्नेक कैचर तपन कुमार प्रधान की मौत हो गई। तपन कुमार प्रधान को सांप द्वारा डसने का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। तपन कुमार प्रधान जहरीले सांपों को पकड़ने और उनके साथ वीडियो बनाने के लिए जाने जाते थे। वह इंस्टाग्राम पर भी सांपों को संभालते हुए वीडियो शेयर करते थे, जिनमें से कई सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। तपन कुमार प्रधान की मौत की घटना ने सोशल मीडिया पर लोकप्रियता हासिल करने के लिए खतरनाक गतिविधियों में शामिल होने के जोखिम को एक बार फिर उजागर किया है।

अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित किया

कोबरा के काटने के बाद परिजन तपन को तुरंत नजदीकी निजी अस्पताल लेकर पहुंचे. उनकी गंभीर हालत को देखते हुए बाद में उन्हें पुरी के जिला मुख्यालय अस्पताल में स्थानांतरित किया गया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस घटना से जुड़े तथ्यों की पड़ताल कर रही है।